

vernichtet MBh. 16, 275.

— संप्र verbrennen: न नस्तत्र क्रुताशः संप्रधत्ति MBh. 1, 5796, 2, 2256. vernichten: पुत्रपौत्रवधं श्रुत्वा ध्रुवं नः संप्रधत्ति 9, 3526.

— प्रति entgegenbrennen, mit den Flammen begegnen: प्रतिं प्रतिची-  
र्दहत्तदरातीः RV. 3, 18, 1. प्रत्यग्ने मिथुना दह 10, 87, 24. 20. 23. 1, 12, 5.  
79, 6. AV. 1, 28, 2. 3, 1, 1. 3. अग्निष्टपति प्रतिदहति Çat. Br. 4, 4, 5, 8. स  
त्वा प्रतिधत्ति KHAND. UP. 2, 22, 4. — pass. verbrennen (intrans.): वैश्वान-  
रं यथा प्राप्य प्रतिदहति वै जनाः MBh. 8, 2750.

— वि ausbrennen (eine Wunde u. s. w.) Suçr. 1, 100, 21. durch Brand  
beschädigen, anbrennen: मेनमग्ने वि दहो माभि शौचः RV. 10, 16, 1. 7.  
verbrennen, durch Feuer vernichten: शरन्मध्यदिनाभर्कतेत्रसा व्यदहन्नि-  
पून् MBh. 8, 464. — pass. 1) verbrennen (intr.): पत्नाभ्यो च मया गुप्ता ज-  
टायुर्न व्यदहति R. 4, 60, 20. विदह्यमानः पयि तप्तप्राग्भिः R. 1, 13. durch  
das innerliche animalische Feuer Suçr. 1, 20, 8. an innerlicher Gluth  
leiden 37, 11. brennen (von Wunden) 103, 19. — 2) sich innerlich ver-  
zehren, sich abgrämen: सद्यं च वासुदेवेन बाल्ये गाण्डीवधन्वनः । प्रजा-  
नामनुरागं च चित्तयानो व्यदहति MBh. 12, 52. — 3) sich ausblähen, wich-  
tig thun: वृथा सौभाग्यमानेन दुर्भगे त्वं विदह्यसे । गिरिनद्या इव स्रोतस्त-  
व सौभाग्यमस्तिश्म ॥ R. GORR. 2, 6, 12. Statt dessen: सौभाग्येन विकल्पसे  
R. SCHL. 2, 7, 14. — partic. विदग्ध 1) verbrannt: तस्यै ह (वृकलायै) वि-  
दग्धये सृगालः संभवति Çat. Br. 12, 5, 2, 5. अ० KAUC. 60. 83. NIB.  
9, 26. — 2) entzündet: शोफयोरूपनाहं तु कुर्यादामविदग्धयोः । अविदग्धः  
शमं याति विदग्धः पाकमेति च Suçr. 2, 5, 21. — 3) vom innerlichen Feuer,  
von der Galle, welche die Speisen im Magen kocht, verarbeitet; ge-  
kocht: ०भुक्त Suçr. 2, 110, 14. रस 345, 10. श्लेष्मन् 1, 79, 8. पित्त 78, 18. आ-  
पो ऽविदग्धाः 20, 13. भुक्तो हर्षपत्यविदग्धमतिसाधते वा 118, 15. 2, 139,  
16. Vgl. पित्तविदग्धदृष्टि. — 4) zersetzt, verdorben: दोषाः Suçr. 2, 369,  
18. sauer geworden (als Verderbniss) 1, 80, 5. शाल्योदनपिण्डमुक्यित-  
मविदग्धम् 170, 4. माधुर्यमन्नं गतमामसंज्ञं विदग्धसंज्ञं गतमल्लभावम् 245, 11.  
— 5) (der sich ein Mal verbrannt hat, durch Erfahrung klug geworden) klug,  
verständnis, gewandt: स्पर्शं वेत्ति विदग्धस्त्वं कामधर्मविक्रमः MBh. 4,  
745. ०परिषद् BHART. 3, 42. VIBH. 3, 12. नाविदग्धः प्रियं ब्रूयात् PAÑKAT.  
1, 180. RĀGĀ-TAR. 5, 79. नेयं गणना विदग्धस्य पुरुषस्य DAÇAK. in BENF.  
Chr. 188, 9. विदग्धालापानाम् — कवीनाम् BHART. 1, 52. ०वचन PAÑKAT.  
112, 25. verschmiltzt, verschlagen, von Mädchen, die mit den Liebeskün-  
sten vertraut sind, BHĀG. P. 6, 18, 28. BRAHMA-P. 55, 15. DHŪRTAS. 78, 4.  
ÇIÇ. 7, 44. SĀH. D. 21, 4. स्निग्धविदग्धमुग्धमधुरैर्ललिः कटालैः BHART. 1,  
97. विदग्ध = पण्डित ÇABDAR. im ÇKDR. = कुशल u. s. w. H. 343. =  
नागर TRIK. 3, 1, 5. विदग्धा = वाणिनी 3, 248. Vgl. डुर्विदग्ध, विदग्ध  
N. pr., विदारु.

— सम् zusammenbrennen, verbrennen: शोचतः संदहो अत्रतान् RV.  
9, 73, 5. हुक्तो दहामि सं मूर्च्छीरनिन्द्राः 1, 133, 1. 36, 14. 20. 10, 16, 13. श-  
रीरमस्य सं दह AV. 18, 3, 71. KĀTJ. ÇR. 25, 7, 5. ÇAT. BR. 9, 1, 1, 42. 11, 1, 5, 8.  
14, 8, 15, 12. vernichten: रामं पुत्रं न मे बालं राम संदग्धुमर्हसि R. GORR.  
1, 77, 12. — pass. verbrannt werden: अभिजनः संदह्यता वक्रिना BHART.  
2, 32. संदग्धं रत्नं: TS. 1, 8, 2, 2. brennen, glühen: संदह्यमानसर्वाङ्ग एषा-  
मुदहनाधिना BHĀG. P. 3, 30, 8. sich abhärmen: प्रत्यागतासुः समदह्यतातः  
(v. l. समतप्यत) RAGH. ed. Calc. 14, 56. — caus. verbrennen lassen: घ-

तावसिक्तं (प्रेतं) रात्रानम् — विधिना समदह्यत् MBh. 1, 4954. 11, 793.

— व्यतिसम् durcheinander —, in Bausch und Bogen verbrennen: अथ  
यद्यप्येनानुत्क्रान्तप्राणाङ्गुलिन समासं व्यतिसंदहेत् KHAND. UP. 7, 13, 3.

— अनुसम् der Länge nach zusammenbrennen: ब्रह्मस्यं देव्यद्युः स्या मू-  
लादनुसंदहेत् AV. 12, 5, 63.

2. दह (= 1. दह) adj. brennend, am Ende eines comp.: दन्तिणधक् (०सद्  
VS.) LĀTJ. 5, 7, 3; vgl. उशधक्.

दह indecl. gaṇa चादि zu P. 1, 4, 57.

दहति (von दह) m. N. pr. eines Wesens im Gefolge von Skanda MBh.  
9, 2336.

दहद्वा (wie eben mit Redupl.) f. N. pr. einer der Mütter im Gefolge  
von Skanda MBh. 9, 2638.

दहन (von 1. दह) 1) adj. f. ई a) verbrennend: त्रिपुरं der Verbrenner  
von Trip., Bein. Çiva's HĀR. 8. युगान्ते लोकदहनी HARIV. 2522. त्रैलो-  
क्यदहनादिषात् BHĀG. P. 8, 7, 21. निजकुलं versengend, zu Grunde rich-  
tend BHART. 1, 70. — b) Alles zu Grunde richtend, bösgesinnt, = दु-  
ष्टचेतन H. an. 3, 381 (wo दहनो st. दहने zu lesen ist). = दुष्टचेतित (दु-  
ष्टचेतस् ÇKDR). MED. n. 75. — 2) m. a) Feuer; der Gott des Feuers AK.  
1, 1, 4, 51. H. 1099. H. an. MED. दहन उपसमाधाय KAUC. 15. 46. MBh. 3,  
1553. 13, 111. HARIV. 3765. 10457. R. 3, 19, 7. 42, 10. BHART. 2, 29, 3, 19.  
VARĀH. BRH. S. 7, 1. 31, 7. 98, 1. कोप० SĀH. D. 63, 3. तमेव दहनो देव (अ-  
ग्ने) MBh. 1, 8360. Am Ende eines adj. comp. f. स्या HOR. 1, 5 in Z. f. d.  
K. d. M. 4, 305. Wie alle Wörter für Feuer zur Bez. der Zahl drei ge-  
braucht VARĀH. BRH. S. 97, 1. SĀRJA. 12, 84. — b) eine der fünf Formen  
des Feuers beim Svāhākāra HARIV. 10465. — c) N. eines der 11 Ru-  
dra MBh. 1, 2567. 4826. MATSJA-P. in VP. 121, N. 17. — d) N. pr. eines  
Wesens im Gefolge von Skanda MBh. 9, 2536. — e) Taube RĀGĀN. im  
ÇKDR. NIGH. PR. — f) Plumbago zeylanica Lin. (चित्रक). — g) Ana-  
cardium officinarum Gaert. (भङ्गातक) H. an. MED. — 3) n. a) das Ver-  
brennen, Brennen (auch med.): अग्निदोत्रं बुद्ध्या दहनात् KAUC. 80. न  
तस्य दहनं कार्यं नैव पिण्डोदकक्रिया ÇAUNAKA bei MALLIN. zu RAGH. 8, 25.  
अपरो दहने स्वकर्माणां ववृते ज्ञानमयेन वक्रिना RAGH. 8, 20. — Suçr. 1, 31,  
13. 47, 6. 131, 12. ०कल्प 2, 48, 5. दहनोपकरणा 1, 35, 11. यदि स्याच्छी-  
तो वक्रिः शीतोर्षुर्दहनात्मकः PAÑKAT. I, 288. अतिदहनात्मको ऽयम् (भा-  
नुः) 190, 3. DHŪRTAS. 76, 14. — b) saurer Reisschleim NIGH. PR.

दहनकेतन (द० + के०) m. Rauch (Erkennungszeichen des Feuers)  
H. 1103.

दहनाप्रिया (द० + प्रि०) f. die Gemahlin des Feuergottes TRIK. 1, 1, 71.

दहनबल्ल m. Feuer WILS. Beruht auf falscher Auffassung von H.  
1099, indem zwei Synonyme für Feuer als ein Wort gefasst worden sind.

दहनर्त (दहन + ऋत्) n. das Sternbild Kṛttikā VARĀH. BRH. S. 10, 19.

दहनागुरु (दहन + अगुरु) m. eine Art Agallochum RĀGĀN. im ÇKDR.  
Unter दाहनागुरु wird दाहनागुरु als Synonym aufgeführt.

दहनाराति (दहन + अराति) m. Wasser (Feind des Feuers) RĀGĀN.  
im ÇKDR.

दहनीय (von दह) adj. zu verbrennen ÇKDR. WILS.

दहनोपल (दहन + उपल) m. der Sonnenstein (s. सूर्यकान्त) H. 1067.  
दहनोपम v. l.